पत्रकारों से साक्षात्कार

पत्रकारों से साक्षात्कार

मेरे शोध कार्य में प्रामाणिकता और परिपक्वता लाने के लिए मैंने कोयम्बत्तूर क्षेत्र के कुछ विद्वज पत्रकारों से साक्षात्कार किया और उनसे मैंने पत्रकारिता में मानवीय मूल्यों का क्या स्थान है? इस विषय से संबंधित सुझाव लिए। वे हैं श्री. वी.एस. पलनिअपन्न जी, Principal Correspondent, THE HINDU, कोयम्बत्तूर, श्री. गौतम सुमन जी, Correspondent, मंथन पत्रिका, कोयम्बत्तूर और श्री. भवेश कुमार गुप्ता (अनुवादक), कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, कोयम्बत्तूर।

★ श्री. वी.एस. पलनिअपन्न, Principal Correspondent, THE HINDU

Journalism has to be a bridge between the rulers and the ruled. Agenda should be awareness, Education and development and not just entertainment merely focusing on cinema. Human values are those where Media focus on things that are not just commercial and last. Barring few Media, rest of the media as marked driven for the placement of human values in the society. Pursuit of wealth and desire for last are the reasons for the destruction of Human values in the society, Journalism plays the role of a "watch dog" for the society.

In a Market griven Media agenda the contents of the Media has been invariably politics and cinema. The essential parameters such as health, literacy, education, unemployment and poverty eradication have been a back feet. Media without compromising its commercial interest to ensure that it does not loose focus on its social responsibility. The media especially vernacular that reaches a large section of the society needs to change its orientation.

★ श्री. गौतम सुमन, Correspondent, मंथन पत्रिका

पत्रकारिता समाज का चौथा स्तंभ होता है।

पत्रकारिता में समाज में व्याप्त तथ्य परक विषयों का समावेश रहता है। पत्रकारिता मूलतः मूल्यों पर आधारित होता है। यह एक बहुआयामी क्षेत्र हैं, जो सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, धार्मिक, आर्थिक विषयों पर अधिक बल देता है। श्री. गौतम सुमन का कहना है कि मानव मूल्यों का प्रहरी है 'पत्रकारिता'। अर्थात् पत्रकारिता सच्चाई पर आधारित, निष्पक्ष, तथ्यपरक व्यापक हितों से परे हो तो मानवीय मूल्यों का विकास होता है।

★ श्री. भवेश कुमार, अनुवादक, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, कोयम्बत्तूर।

पत्रकारिता समाज का आईना होता है। पत्रकारिता में रिपोर्टिंग का विषय जितना अनुचित एवं आवश्यक है, उसी प्रकार पत्रकारिता में मानवीय मूल्यों का विशेष स्थान होता है। मानवीय मूल्य युक्त पत्रकारिता ही समाज में परिवर्तनशील कार्य करते हैं। जो बेहद जरूरी है, नही तो समाज में कुव्यवस्था, अनुशासनहीनता, नैतिकता का पतन हो जाएगा और समाज पतन के गर्त में चला जाएगा। पत्रकारिता अगर सच्चाई पर आधारित, निष्पक्ष, तथ्यपरक आदि हितों से परे हो तो मानवीय मूल्यों का विकास जरूर संभव है।

साक्षात्कार का मूल्यांकन

उनके विचार बहुमूल्य थे। वे स्वयं पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्यरत है। इसलिए उनकी राय एवं सुझाव अधिक प्रभावी गंभीर एवं महत्वपूर्ण थे। जिससे मुझे अपने शोध कार्य को और भी अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का मौका मिला। उनसे साक्षात्कार करने के उपरांत मेरे अनुसंधान को प्रामाणिकता का पुट मिला जो एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग है। ***अनुभव, कार्य की सफलता को और अधिक मजबूत बनाता है। मैंने तो अपने अनुभव और समझदारी से कार्य किया है किंतु इन पत्रकारों का तो यह पेशा है और पेशेवर लोग आय दिन अनुभव प्राप्त करते हैं और साथ ही जनता की प्रतिपुष्टि भी मिलती रहती है जो उनकी कार्यक्षमता को और अधिक बढ़ाती है। पत्रकार समाज के मजबूत स्तंभ है जिनपर हमारे देश का भविष्य रूपी भवन का निर्माण होता है। इनके सुझावों से मेरा यह शोध कार्य और अधिक सफल हो पाया।***